इत्र के लिए कन्नौज वैश्विक केंद्र के रूप में हो रहा विकसितः शुभ्रांत शुक्ला

● इसेंशियल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इंडिया तथा एफएफडीसी के तत्वावधान में कन्नौज में कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ/कन्नौज। इत्र एवं इसेंशियल ऑयल उत्पादन में अपनी समृद्ध परंपरा हेतु प्रसिद्ध कन्नौज में रविवार को इसेंशियल ऑयल एसो. ऑफ इंडिया (ईओएआई) द्वारा एक महत्वपूर्ण वर्कशॉप का आयोजन किया गया। होटल एमवाई हेरिटेज में आयोजित इस कार्यक्रम में उद्योग जगत से संबद्ध नेता, सरकारी अधिकारी और विशेषज्ञ इत्र एवं इसेंशियल ऑयल के भविष्य पर चर्चा करने, बाजार की संभावनाओं को तलाशने तथा नियामक चिंताओं को दूर करने हेतु एकत्रित हुए। वर्कशॉप का औपचारिक उद्घाटन कन्नौज के इत्र एवं परफ्यूमर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश पाठक द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा इसेंशियल ऑयल उद्योग में कन्नौज की महत्वपूर्ण विरासत पर बल दिया। पाठक ने कहा की कार्यशाला इत्र और आवश्यक तेलों की दुनिया में कन्नौज की समृद्ध विरासत का प्रमाण है। मुख्य अतिथि कन्नौज के जिला अधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल तथा भारतीय इसेंशियल ऑयल संघ (ईओएआई) के सचिव प्रदीप जैन ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ दीप प्रज्ज्वलन समारोह में भाग लिया। ईओएआई नोएडा के अध्यक्ष संजय वार्ष्णेय ने वर्कशॉप के उद्देश्यों को रेखांकित किया तथा वैश्विक इसेंशियल ऑयल बाजार में कन्नौज की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कन्नौज के फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर डेवलपमेंट सेंटर (एफएफडीसी) के निदेशक एसवी शुक्ला तथा ईओएआई के तत्काल पूर्व अध्यक्ष श्री योगेश दुबे ने उद्योग की प्रगति एवं भविष्य की संभावनाओं के विषय पर अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कन्नौज के जिला अधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल (आईएएस) का संबोधन रहा। अपने मुख्य भाषण में शुक्ल ने इत्र एवं

इसेंशियल ऑयल उत्पादन के प्रमुख केंद्र के रूप में कन्नौज की क्षमता पर बल दिया। प्रदेश सरकार ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कन्नौज को इत्र एवं इसेंशियल ऑयल के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्म के मंत्र को अपनाया है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस हेतु किये जा रहे उपक्रमों द्वारा उद्योग के विकास को सहायता प्राप्त हो रही है तथा इनके फलस्वरूप राज्य में निवेश आकर्षित हो रहे हैं। शुक्ला ने उत्तर प्रदेश में सतत् निवेश को बढ़ावा देने और उसे सुविधाजनक बनाने में इन्वेस्ट यूपी के साथ-साथ निवेशक-अनुकूल नीतियों तथा निवेश मित्र पोर्टल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

शुक्ल ने उद्योग जगत के हितधारकों से इस अवसर का लाभ प्राप्त करने तथा कन्नौज में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित 'परफ्यूम पार्क' में निवेश करने का आह्वान किया, जिससे वैश्विक बाजार में जनपद की स्थिति सुदृढ़ हो सके। कन्नौज में 350 से 500 परफ्यूम इकाइयों की उपस्थिति का उल्लेख किया तथा नए वैश्विक भागीदारों को आकर्षित करने की जनपद की महत्वाकांक्षा व्यक्त की। कन्नौज वर्तमान में 55-60 करोड़ रुपये के इत्र एवं इसेंशियल ऑयल का निर्यात करता है तथा इसका घरेलू बाजार 600 करोड़ रुपये का है। शुक्ल ने इस तथ्य का उल्लेख करते हुये फार्मा, खाद्य एवं पेय उद्योगों को कन्नौज में उपलब्ध सुगंध सुविधाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस पर भी प्रकाश डाला कि कन्नौज में आगरा एक्सप्रेसवे सहित प्रस्तावित औद्योगिक कॉरिडोर स्थानीय इत्र उद्योग को प्रोत्साहन प्रदान करेगा। वर्कशॉप के तकनीकी सत्रों में विभिन्न उद्योग पहलुओं पर प्रस्तुतियां दी गईं। ईओएआई नोएडा के उपाध्यक्ष अनुराग कटियार ने एवं इसेंशियल ऑयल बाजार की क्षमता तथा निर्यात पर चर्चा के माध्यम से वैश्विक मांग में बढ़ौतरी तथा कन्नौज नए बाजारों की खोज और निर्यात रणनीतियों में वृद्धि कर इस प्रवृत्ति से लाभान्वित होने की अच्छी स्थिति पर प्रकाश डाला। एएफएफ एरोमेटिक्स, कोलकाता के आशीष झुनझुनवाला जी ने वैश्विक संदर्भ में इत्र विषय पर संबोधित किया, जिसमें कन्नौज की पारंपरिक शिल्पकला एवं विरासत के फलस्वरूप इसकी अद्वितीय स्थिति को रेखांकित किया गया। एफएफडीसी कन्नौज के निदेशक एसवी शुक्ला जी ने सुगंध, स्वाद एवं अरोमाथेरेपी में इत्र के उपयोग पर प्रस्तुति दी, जिसमें इस बात पर बल दिया गया कि इत्र विभिन्न अनुप्रयोगों का अभिन्न अंग हैं। भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी) दिल्ली के अपर निदेशक डॉ. तनवीर आलम जी ने इत्र एवं इसेंशियल ऑयल की पैकेजिंग के लिए विनियमन एवं अनुपालन विषय पर चर्चा की, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सुविधाजनक बनाने हेतु उत्पाद सुरक्षा एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु नियामक अनुपालन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। वर्कशॉप का समापन एक ओपन प्रश्नोत्तर सत्र तथा पुरस्कार एवं स्मृति चिन्हों के वितरण के साथ हुआ। इस वर्कशॉप ने उद्योग के हितधारकों के मध्य ज्ञान के आदान-प्रदान, नेटवर्किंग और सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।